भारत में कृषि

पा.सं.	पाठ का शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
12	भारत में कृषि	आत्म बोध, समालोचनात्मक सोच प्रभावी संचार, समस्या समाधान	कृषकों की समस्याओं का समाधान

अर्थ

भारत को कृषकों का देश कहा जाता है तथा अधिकतर कृषक भारत के गांवों में रहते हैं। यह कृषि करते है तथा देश की सहायता करते हैं। इसलिए देश में कृषि बहुत महत्वपूर्ण है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियां प्रचलित है। कृषि के उद्देश्य को आधार बनाकर कृषि का वर्गीकरण कई वर्गों में किया गया है।

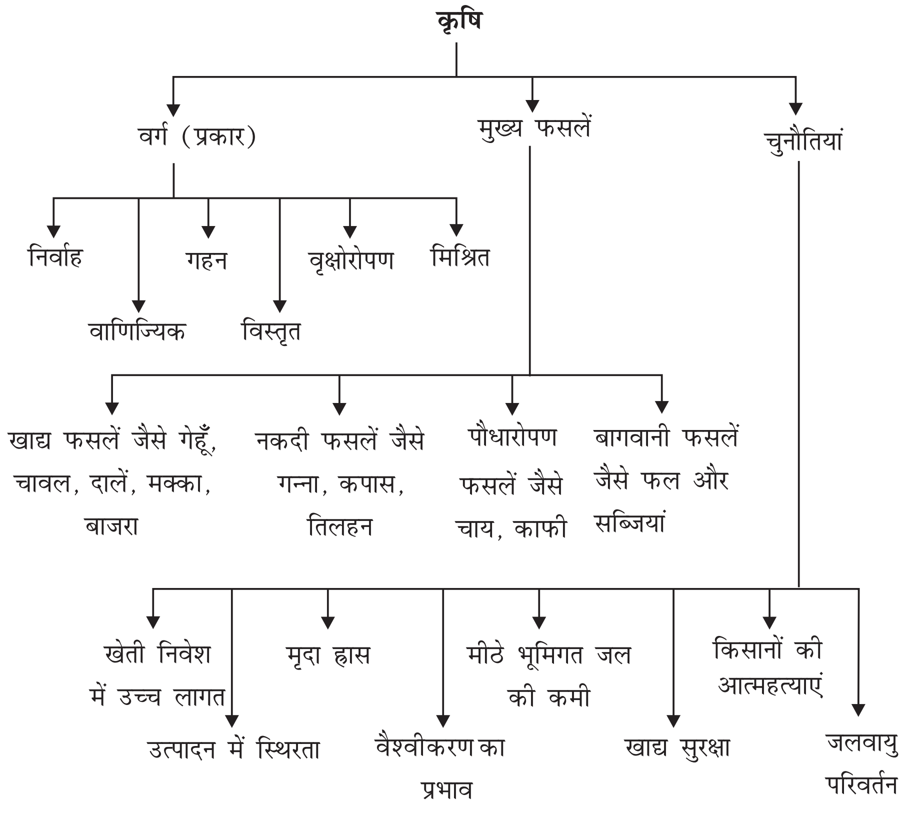

अपनी समझ का विकास कीजिए

- **निर्वाह कृषि :** कृषि उत्पादन खुद के उपभोग के लिए
- **वाणिज्यिक कृषि:** उत्पादन का बड़ा हिस्सा बाजार में बेचने के लिए, पैसे कमाने के लिए
- **विस्तृत कृषि:** जब एक ही फसल बहुत ही बड़े क्षेत्र में उगाई जाती है तो उसे विस्तृत खेती कहते है।
- **गहन खेती:** प्रति इकाई भूमि पर एक ही वर्ष में कई बार फसलें उगाई जाती है ताकि ज्यादा उत्पादन प्राप्त हो सके।
- **वृक्षारोपण खेती:** एक ही नकदी फसल को उगाना अच्छे प्रबंधन में होता है तथा उत्पाद को बाजार में बेचा जाता है।
- **मिश्रित खेती:** इसमें फसलों को उगाना और पशुपालन दोनों साथ-साथ किए जाते हैं।

भारत की मुख्य फसलें

फसलें	तापमान	वर्षण	मृदा	मजदूरी (श्रम)	क्षेत्र
चावल	22° से. 32° से.	150-300 से.मी.	गहरी चिकनी मिट्टी और बलुई मिट्टी	सस्ते मजदूर	तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र
गेहूँ	बोते समय 10°-15° से.; 21°-26° से. कटाई के समय	75 से.मी. सिंचाई	बलुई तथा चिकनी मिट्टी	कम श्रम	उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात तथा महाराष्ट्र
बाजरा	27°-32° से.	50-100 से.मी.	जलोढ तथा चिकनी मिट्टी	सस्ती मजदूर	मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, पंजाब
दलहन	20°-25° से.	40-45 से.मी.	चिकनी	सस्ते मजदूर	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान हरियाणा, महाराष्ट्र
गन्ना	21°-27°C से.	75-150 सेमी.	चिकनी	सस्ते मजदूर	सतलुज-गंगा मैदान पंजाब से बिहार, काली मिट्टी का क्षेत्र महाराष्ट्र से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश का तटीय क्षेत्र तथा कृष्णा घाटी
कपास	21°-30° से.	50 से 150 से.मी.	काली मिट्टी, लाल और लेटराइट जलोढ मिट्टी	सस्ते एवं कुशल मजदूर	पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा
मूंगफली	20°-30° से.	50-75 सेमी.	रेतीली चिकनी, लाल व काली	सस्ते मजदूर	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा
चाय	20°-30° से.	150-300 से.मी.	उपजाऊ चिकनी	सस्ते एवं कुशल मजदूर	असम की ब्रह्मपुत्र और सूरमा घाटियां, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, तमिलनाडू की नीलगिरि पहाड़िया
काफी	15°-28° से.	150-250 से.मी.	चिकनी	सस्ते एवं कुशल मजदूर	दक्षिण भारत की पहाड़ियां

भारतीय कृषि के विशिष्ट लक्षण

- निर्वाह कृषि
- कृषि पर जनसंख्या का दबाव
- कृषि का मशीनीकरण
- मानसून पर निर्भरता
- फसलों में विविधता
- खाद्य फसलों की प्रमुखता
- मौसमी संरचना

भारतीय कृषि के सामने चुनौतियाँ

- खेती निवेश में उच्च लागत
- मृदा ह्रास
- प्रमुख फसलों के उत्पादन में स्थिरता
- वैश्वीकरण का प्रभाव
- मीठे भूमिगत जल की कमी
- खाद्य सुरक्षा प्रदान करनी
- वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव
- किसानों की आत्महत्या

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. हाल ही के वर्षों में आपने कृषि में कौन से परिवर्तन देखे हैं।

प्र. आपके मत अनुसार फसलों में इन परिवर्तनों के क्या कारण हैं?

प्र. आप अपने क्षेत्र में कृषि में कौन सी मुख्य चुनौतियां पाते हैं?